

**Las gentes son un engorro**  
**Eskorbuto**

Relájate, estás de enhorabuena.  
Y acomódate: si quieres sentarte, ahí tienes el suelo.  
¿Prefieres estar de pie? Como tú quieras.

Las multitudes son un estorbo.

.....

A)

-----  
-----  
--1--1--1--1--1--1--1--1--0-----  
-----1--1--1--1--1--1--1--2--  
sigue  
-----  
-----  
-----0--  
--3--3--3--3--3--3--3--3--3--3--3--3--3--3--3--3--4-----

B)

-----  
-----  
--1--1--1--1--1--1--1--1--0-----  
-----1--1--1--1--1--1--1--2--  
sigue  
-----  
-----  
-----  
--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--

C)

-----  
-----5-----2-----5--  
-----10-----7-----  
--12-----

D)

-----  
--2--2--2--2--2--2--2--2--2--2--2--2--2--2--2--2--3--4--  
-----  
-----  
sigue  
-----  
--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--5--4--3--  
-----  
-----

E)

-----

--7--7--7--7--7--7--7--7--7--7--7--7--

-----

-----